WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

**हाथ करघा से बनी वस्तुएं**

*१४२६. **श्री भागवत झा आजाद:** क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दक्षिण पूर्वी एशिया में हाथ करघा द्वारा बनी हुई वस्तुओं की बिक्री के लिए १९५४-५५ में क्या कार्यवाही की गई है, और

(ख) उक्त अवधि में उस क्षेत्र में कितने एम्पोरियम खोले गए हैं?

**वाणिज्य तथा उद्योग उपमंत्री (श्री कानूनगो):** (क) तथा (ख). निर्यात बिक्री व्यवस्था योजना के अंतर्गत हाथ करघा की बिक्री व्यवस्था के लिए तीन अफसर दक्षिण-पूर्वी एशिया में नियुक्त किए गए और तीन एम्पोरिया खोले गए हैं।

TEA

*1437. **Shri M. S. Gurupadaswamy:** Will the Minister of **Commerce and Industry** be pleased to state:

(a) the total quantity of tea exported to U.S.A. during the year 1954;

(b) whether Government have considered the possibility of making arrangements for export of more tea to U.S.A.; and

(c) if so, the action taken or proposed to be taken in this direction?

**The Deputy Minister of Commerce and Industry (Shri Kanungo):** (a) 32,160,000 lbs.

(b) and (c). Indian tea is free to go to any country which offers the best price. No special arrangements for export of more tea to U.S.A. is considered necessary beyond the propaganda that is being carried on for tea consumption in U.S.A.

INSTALLED CAPACITY OF INDUSTRIES

*1439. **Shri Ibrahim:** Will the Minister of **Commerce and Industry** be pleased to state:

(a) whether any survey was undertaken about the installed capacity of industries of the country?

(b) if so, the installed capacity of the textile and other manufacturing industries of the country?

**The Deputy Minister of Commerce and Industry (Shri Kanungo):** (a) and (b). No general survey has been undertaken about the installed capacity of industries, as such a survey does not serve any purpose except in certain special cases where Government have to assess the capacity of an industry.

**बड़े उद्योग**

*१४४०. **सेठ गोविन्द दास:** क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री उन बड़े उद्योगों के नाम बताने की कृपा करेंगे जो भविष्य में सरकार द्वारा चलाए जाने के लिए सुरक्षित किए गए हैं अर्थात् जिन उद्योगों को पूंजीपति नहीं चला सकेंगे?

**वाणिज्य तथा उद्योग उपमंत्री (श्री कानूनगो):** माननीय सदस्य का ध्यान १९४८ के औद्योगिक नीति विषयक प्रस्ताव की ओर आकर्षित किया जाता है जिसकी एक प्रति सदन के पुस्तकालय में मौजूद है।

**दिल्ली परिवहन सेवा**

*१४४२. **श्री नवल प्रभाकर:** क्या **निर्माण, आवास तथा संभरण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय सचिवालय के निकट बस-यात्रियों के लिए शेड डालने का विचार है, और

(ख) यदि हां, तो उस पर अनुमानत: कितना व्यय होगा?

**निर्माण, आवास तथा संभरण मंत्री (सरदार स्वर्ण सिंह):** (क) जी हां।

(ख) ५४,००० रुपए।

AGRICULTURAL LAND LEFT BY MUSLIM EVACUEES

*1445. **Dr. Satyawadi:** Will the Minister of **Rehabilitation** be pleased to lay on the Table of the House a statement showing: